web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 07 जून 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 246

अंतर्राष्ट्रीय

डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट से झटका, हार्वर्ड में विदेशी छात्रों पर प्रतिबंध संबंधी आदेश पर रोक

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका लगा है। कोर्ट ने ट्रंप के उस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी है, जिसमें उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया था। मैसाचुसेट्स स्थित न्यायाधीश एलिसन बरोज ने यह आदेश विश्वविद्यालय द्वारा ट्रंप के आदेश को कानूनी चुनौती देने के बाद दिया है। याचिका में हार्वर्ड ने व्हाइट हाउस की मांगों को अस्वीकार करने के लिए अवैध प्रतिशोध कहा है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अगर यह घोषणा (ट्रंप का आदेश) प्रभावी हो गई तो अमेरिका के सबसे पुराने विश्वविद्यालय को तत्काल और अपूरणीय क्षति का सामना करना पड़ेगा। हार्वर्ड द्वारा दाखिल याचिका में कहा गया है कि अमेरिकी सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी तर्क त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि प्रतिबंध छात्रों को को देश में प्रवेश करने से नहीं रोकता, बल्कि केवल उन्हें हार्वर्ड में प्रवेश करने से रोकता है। ट्रंप ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाने करने या विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक नए विदेशी छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय वीजा निलंबित करने के लिए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रोक शुरूआती 6 महीने के लिए लगाई गई है। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर उठी चिंताओं का हवाला दिया है। आदेश में कहा गया है कि जरूरत पडऩे पर इस निलंबन को छह महीने से आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

जापान का निजी चंद्र मिशन फिर असफल, लैंडिंग से पहले लैंडर हुआ दुर्घटनाग्रस्त

तोक्यो। जापान की निजी कंपनी आईस्पेस का चंद्र मिशन रेसिलिएंस शुक्रवार (6 जून) को लैंडिंग से कुछ सेकंड पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह लैंडर फ्लोरिडा से जनवरी में लॉन्च किया गया था और मई में चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। क्रैश के कारण संचार पूरी तरह टूट गया और मिशन विफल हो गया। कंपनी का एक मिशन पहले भी असफल हो चुका है। इस बार लैंडिंग से पहले सिस्टम फेल हो गया और नियंत्रण केंद्र को कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कंपनी ने बताया कि लैंडर की ऊंचाई नापने वाला लेजर सिस्टम सही से काम नहीं कर सका। इसके चलते लैंडर बहुत तेजी से नीचे गिर गया और चांद की सतह से टकरा गया। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि लैंडिंग बहुत जोर से हुई, जिसे हार्ड लैंडिंग कहा जाता है। लैंडर के साथ एक छोटा रोवर भी भेजा गया था, जिसमें कैमरा, मिट्टी उठाने का फावड़ा और एक छोटा खिलौना घर मूनहाउ रखा गया था। आईस्पेस के सीईओ ताकेशी हाकामाडा ने कहा कि यह दूसरी विफलता है, लेकिन कंपनी आगे चंद्र अभियानों पर काम करती रहेगी। उन्होंने मिशन से जुड़े सभी लोगों से माफी भी मांगी। उनका मानना है कि यह मिशन 2027 में नासा की भागीदारी वाले बड़े लैंडर के लिए एक कदम है। अधिकारियों ने कहा कि इस मिशन की लागत पहले वाले से कम है, जिसकी कीमत 850 करोड़ रुपये से ज्यादा थी।

पाकिस्तान के पेशावर में घातक विस्फोट, पूर्व मंत्री की मौत और 3 लोग घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में भीषण विस्फोट की सूचना सामने आ रही है। इस ब्लास्ट में पाकिस्तान के पूर्व मंत्री अब्बास खान अफरीदी की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि विस्फोट अफरीदी के घर पर गैस रिसाव से हुआ। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद अब्बास खान अफरीदी का शुक्रवार को निधन हो गया। पाकिस्तान पुलि ने यह जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि यह हादसा बृहस्पतिवार को हुआ था। इस हादसे में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के पूर्व सांसद अब्बास अफरीदी समेत तीन लोग झुलस गए थे। पुलिस के अनुसार उनके आवास में गैस रिसाव के चलते जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिससे घर के एक हिस्से में आग लग गई और लोग बुरी तरह घायल हो गए। तुरंत ही सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन अफरीदी की हालत अत्यंत गंभीर थी। चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद शुक्रवार को इलाज के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अफरीदी ने दम तोड़ दिया। अफरीदी न केवल एक पूर्व सांसद और संघीय मंत्री थे, बल्कि वह पाकिस्तान की राजनीति में एक प्रमुख चेहरा माने जाते थे।

पीएम मोदी ने चिनाब ब्रिज और अंजी पुल का किया उद्घाटन, वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

रामबन | आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का उद्घाटन किया. इसके साथ-साथ उन्होंने देश के पहले केबल-स्टेड रेल पुल अंजी पुल का भी उद्घाटन किया. इसके साथ-साथ पीएम मोदी ने कटरा रेलवे स्टेशन से कटरा और श्रीनगर को जोडऩे वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई.

इस मौके पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सीएम उमर अब्दुल्ला और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे. बता दें, पीएम मोदी का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम पहली बार जम्मू-कश्मीर पहुंचे हैं. इस वजह से यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. इससे पहले उन्होंने चिनाब पुल का निरीक्षण किया और सीएम उमर अब्दुल्ला और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा की. इसके साथ-साथ उन्होंने कामगारों से भी मुलाकात की.

बता दें, आज जम्मू-कश्मीर में विकास और कनेक्टिविटी का नया दौर शुरू होने जा रहा है. पीएम मोदी आज चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज और देश के पहले केबल-स्टे अंजी ब्रिज का उद्घाटन करेंगे. पीएम यहां कुल 46 हजार करोड़ की परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे. इस ब्रिज के साथ ही कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन को भी पीएम मोदी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे.

अभी तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक पीएम मोदी तकरीबन 11 बजे तक दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे. यह ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से भी ऊंचा है. इस ब्रिज को बनाने में करीब 1500 करोड़ की लागत आई है. एक घंटे बाद दोपहर 12 बजे पीएम मोदी कटरा से श्रीनगर के लिए दो वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. वहीं, रेलवे ने बताया कि उधपुर-श्रीनगर-बारामुला रेलवे लिंक परियोजना की कुल लंबाई करीब 272 किमी. है और इसको बनाने में 43 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च हुए हैं. इस परियोजना में 36 सुरंगे और 943 पुल भी शामिल हैं.

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि चिनाब नदी पर बना 1 किमी. से ज्यादा लंबा रेलवे ब्रिज करीब 359 मी. की ऊंचाई पर है, जो एफिल टॉवर से भी 35 मी. ऊंचा है. उन्होंने बताया कि यह ब्रिज 260 किमी. प्रति घंटे की हवा और भूकंपीय जोन-5 झेल सकता है. इसको बनाने में लगभग 27000 मीट्रिक टन स्टील प्रयोग हुई है. वहीं, इसकी लंबाई 1315 मीटर है. इस परियोजना की शुरुआत अगस्त 2004 में हुई थी.

कटरा से श्रीनगर तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन में हाइटेक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं. अब बात किराए की बात करते हैं. चेयर कार का किराया करीब 715 रुपये रखा गया है. वहीं, एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया तकरीबन 1320 रुपये है. वंदे भारत ट्रेन में एंटी फ्रीजिंग तकनीकि का इस्तेमाल किया गया है. इसके साथ-साथ सब-जीरो कंडीशन में हीटिंग सिस्टम भी मिलेगा. सीटों की बात करें तो ये 360 डिग्री. तक घूमने वाली हैं. हर सीट पर यूएसबी चार्जिंग प्वाइंट मिलेंगे. इस वंदे भारत ट्रेन में शुद्ध शाकाहारी भोजन के साल लजीज व्यंजन की भी व्यवस्था की गई है.

कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन आम लोगों को लिए शनिवार 7 जून से चलेगी. दिन में यह ट्रेन चार चक्कर लगाएगी. इस ट्रेन का एकमात्र स्टॉपेज बनिहार में बनाया गया है.

आरसीबी विक्ट्री परेड भगदड़ मामला : मार्केटिंग हेड निखिल सोसले गिरफ्तार, तीन अन्य भी हिरासत में

बेंगलुरु | आरएनएस

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की विक्ट्री परेड से पहले मची भगदड़ के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए टीम के मार्केटिंग हेड निखिल सोसले को गिरफ्तार कर लिया है। इस हादसे में 11 लोगों की मौत और कई घायल हुए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, निखिल सोसले मुंबई भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन एयरपोर्ट पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आयोजन की अव्यवस्था में उसकी क्या भूमिका थी।

इसके अलावा आयोजन से जुड़े डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स के तीन कर्मचारियों—किरण, सुमंथ और सुनील मैथ्यू—को भी हिरासत में लिया गया है। इनसे क्यूबन पार्क थाने में शेषाद्रिपुरम एसीपी प्रकाश पूछताछ कर रहे हैं।

इस मामले में कब्बन पार्क पुलिस थाने में RCB, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज की गई थी। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आयोजन में किसकी अनुमति ली गई थी, सुरक्षा मानकों का कितना पालन हुआ, और नियमों की किन स्तरों पर अनदेखी हुई।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना की जिम्मेदारी पुलिस पर डालते हुए कई अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद वरिष्ठ IPS अधिकारी सीमांत कुमार सिंह को बेंगलुरु का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया। इस हादसे के बाद क्रष्टक्च प्रबंधन ने मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। पुलिस की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और भी खुलासे होने की उम्मीद है।

नीट पीजी 2025 परीक्षा की नई तारीख घोषित, एक ही शिफ्ट में होगी परीक्षा

❑ सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली | आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) को 3 अगस्त को एक ही शिफ्ट में नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट-पोस्ट ग्रेजुएट (नीट- पीजी) 2025 परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दे दी. इस परीक्षा में 2.4 लाख से अधिक उम्मीदवार शामिल होने वाले हैं.

3 अगस्त, 2025 को परीक्षा पुनर्निर्धारित करने की मांग करते हुए एनबीईएमएस द्वारा दायर आवेदन न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए आया. बेंच ने शुरू में एनबीई द्वारा परीक्षा आयोजित करने के लिए दो महीने से अधिक का समय देने के अनुरोध पर सवाल उठाया.

बेंच ने कहा कि तीन अगस्त को नीट-पीजी 2025 आयोजित करने के लिए बताए गए कारण उचित प्रतीत होते हैं. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नीट-पीजी 2025 परीक्षा आयोजित करने के लिए एनबीई को और समय नहीं दिया जाएगा.

एनबीई ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट के 30 मई के आदेश के अनुसार परीक्षा एक पाली में आयोजित की जानी है और इसलिए एक बार में परीक्षा आयोजित करने के लिए लगभग 1,000 परीक्षा केंद्रों की आवश्यकता है.

एनबीई की याचिका में कहा गया है कि वह 15 जून को होने वाली परीक्षा तीन अगस्त को सुबह 9 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे के बीच आयोजित करेगा, जो कि उनके प्रौद्योगिकी साझेदार टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड द्वारा दी गई सबसे प्रारंभिक संभावित तिथि थी.

इसके अलावा, एनबीई ने सुप्रीम कोर्ट से नीट पीजी 2025 को तीन अगस्त को निर्धारित करने की अनुमति का अनुरोध किया और कहा कि 30 मई, 2025 के उसके आदेश के माध्यम से पारित निर्देशों के अनुपालन में इसके प्रौद्योगिकी साझेदार टीसीएस द्वारा दी गई सबसे प्रारंभिक संभावित उपलब्ध तिथि है.

सुप्रीम कोर्ट ने 30 मई को दो पालियों में परीक्षा आयोजित करने के एनबीई के फैसले की आलोचना की थी. इसने 15 जून को निर्धारित स्नातकोत्तर चिकित्सा प्रवेश परीक्षा को एक ही पाली में आयोजित करने का आदेश दिया था क्योंकि दो पालियों में परीक्षा आयोजित करने से गड़बड़ी की आशंका रहती है.

अधिकारियों को एक पाली में नीट-पीजी 2025 परीक्षा आयोजित करने की व्यवस्था करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं सुरक्षित केंद्रों की पहचान करने का निर्देश दिया गया था.

मेरठ में ऑनर किलिंग... ब्वॉयफ्रेंड से बात करने पर 12वीं की छात्रा की गला दबाकर हत्या सिर काटकर लाश नहर में फेंकी, छात्रा की मां, दो मामा और ममेरे भाई गिरफ्तार

मेरठ | आरएनएस

जिले के परतापुर इलाके में एक किशोरी की सिर कटी लाश मिलने से सनसनी फैल गई. एक दिन पहले गुरुवार की सुबह सिर कटी लाश रजबहे में ग्रामीणों ने देखी तो पुलिस को सूचना दी. सलवार की जेब में मिली एक पर्ची ने मृतका की पहचान करा दी. पता चला कि लाश आस्था उर्फ तनिष्का (17) की है, जो 12वीं की छात्रा थी. पुलिस जल्द ही किशोरी के घरवालों तक पहुंच गई. उनसे पूछताछ में जो जानकारी सामने आई, उसने हैरान कर दिया. पुलिस के मुताबिक, प्रेम प्रसंग के कारण घरवालों ने ही किशोरी की गला दबाकर हत्या कर दी और फिर सिर काटकर दूसरी जगह फेंक दिया. शव कार से लाकर यहां ठिकाने लगाया गया है. फिलहाल पुलिस ने किशोरी की छात्रा की मां, दो मामा और ममेरे भाई को हिरासत में लिया है. उनसे पूछताछ की जा रही है.

बहादुरपुर से पूठ की ओर जाने वाले रजबहे में ग्रामीणों ने एक शव देखा, जिसका सिर गायब था. सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची. पुलिस ने रजबहे और आसपास करीब एक किमी. तक छानबीन की लेकिन सिर नहीं मिला. इसके बाद शव मोर्चरी भेज दिया. यहां उसकी सलवार की जेब से पर्ची मिली. जिस पर एक मोबाइल नंबर लिखा हुआ था. पुलिस ने उस मोबाइल नंबर पर कॉल तो था तो वह नंगली गांव के युवक का निकला.

जब पुलिस ने युवक से पूछताछ की तो कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आईं. उसने बताया कि मृत छात्रा का नाम आस्था उर्फ तनिष्का (17) है. वह दौराला थाना क्षेत्र के दादरी गांव की रहने वाली थी और 12 में पढ़ती थी. छात्रा का उसके साथ प्रेम प्रसंग था. यह भी सामने आया कि आस्था के परिवारवाले इस प्रेम संबंध से नाखुश थे. इसके अलावा किशोरी से घरवालों का अक्सर विवाद होता था.

युवक से पूछताछ के बाद पुलिस छात्रा के घर घर पहुंची. यहां परिजनों ने पुलिस को बताया कि आस्था बुधवार से लापता है. पुलिस ने शक के आधार पर छात्रा की मां राकेश देवी को हिरासत में ले लिया. पूछताछ में मां ने ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब एक बजे बेटी मोबाइल पर अपने बॉयफ्रेंड से बात कर रही थी. उसने फोन छीन लिया. मां-बेटी में हाथापाई भी हुई. फिर उसने बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी.

पुलिस की पूछताछ में मां ने बताया कि शव को ठिकाने लगाने के लिए उसने अपने मायके महरौली फोन किया. अपने भाइयों और भतीजों को बुला लिया. वह कार से दादरी गांव पहुंचे. ममेरे भाई, दो मामा ने आस्था का शव ठिकाने लगाने की योजना बनाई. धारदार हथियार से छात्रा का सिर काटा. उसका धड़ परतापुर के बहादरपुर रजबहे में फेंक दिया. पुलिस की एक टीम मोनू को साथ लेकर जानी गंग नहर में पहुंची.

पुलिस ने एक कार भी बरामद की है. सीसीटीवी कैमरों में कार की आवाजाही देखी जा रही है. पुलिस ने बताया कि छात्रा के पिता रमेश के मोबाइल फोन की सीडीआर निकाली है. ताकि पता चल सके कि उनकी लोकेशन कहां थी और किसने उनसे बात की है. वहीं, छात्रा के मामा के घर महरौली जाकर भी सिर की तलाश की गई.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

नईदिल्ली | आरएनएस

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी मिलने का बड़ा मामला सामने आया है। आरोपी ने गुरुवार देर रात गाजियाबाद के पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) फोन कर यह धमकी दी है। इसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने तत्काल दिल्ली पुलिस को इस संबंध में जानकारी दी।

हालांकि, धमकी दिए जाने के बाद से आरोपी को फोन बंद आ रहा है। ऐसे में पुलिस अब आरोपी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी में जुटी है। गाजियाबाद पुलिस ने बताया कि देर रात 11 बजे आरोपी ने पीसीआर पर फोन किया था। उसने दिल्ली की मुख्यमंत्री गुप्ता को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उत्तर पश्चिम दिल्ली जिला पुलिस को इसी सूचना दे दी गई। दिल्ली पुलिस ने आरोपी को दोबारा फोन करने की कोशिश की, लेकिन जिस नंबर से कॉल किया गया, वह फिलहाल बंद है। गाजियाबाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर दिल्ली पुलिस की मदद से आरोपी की तलाश शुरू कर दी। दिल्ली पुलिस ने इस धमकी के बाद मुख्यमंत्री गुप्ता की सुरक्षा बढ़ा दी है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री के आवागमन को लेकर भी सावधानियां बरती जा रही है। इस बीच, मुख्यमंत्री गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने दिल्ली में 100 दिन पूरे कर लिए हैं। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कार्यभार संभालने के बाद से विकास को प्राथमिकता दी है। शुरुआत 100 दिनों में उन्होंने आधारभूत ढांचा और ट्रैफिक व्यवस्था से जुड़ी कई अहम परियोजनाएं शुरू की है।

कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 5,364 पहुंची, 24 घंटे में मिले 498 नए मामले

नईदिल्ली | आरएनएस

कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि जारी है। पिछले 24 घंटे में 498 नए मरीज सामने आए हैं, जिससे भारत में सक्रिय मरीजों की संख्या 5,364 पहुंच गई है।

हालांकि, 24 घंटे के मामलों में कमी आई है। एक दिन पहले गुरुवार को 564 मरीज मिले थे।

अभी तक 4,724 मरीज ठीक हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में 764 मरीज ठीक हुए हैं।

कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा बढक़र 55 पर पहुंच गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक मरीज केरल में 192 और गुजरात में 107 मिले हैं। इससे यहां कुल मरीजों की संख्या क्रमश: 1,675 और 615 हो गई है।

इसके बाद पश्चिम बंगाल में 56 मरीज, दिल्ली में 30, महाराष्ट्र में 22 और कर्नाटक में 15 मरीज मिले हैं। अभी बंगाल में कुल मरीज 596, उत्तर प्रदेश में 205, तमिलनाडु में 221, महाराष्ट्र में 548, कर्नाटक में 451, दिल्ली में 593 और राजस्थान में 107 हैं।

मंत्रालय ने पिछले 24 घंटे में देश में 4 मौत दर्ज की हैं। सभी मरीज कोरोना वायरस से संक्रमित थे, लेकिन उनको अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं।

कर्नाटक में एक 65 वर्षीय व्यक्ति अनियंत्रित शुगर, हाइपरटेंशन से पीड़ित थे। पंजाब में 69 वर्षीय महिला फेफड़े से जुड़ी बीमारी से पीड़ित थीं।

केरल में 2 मौत हुई हैं, जिसमें एक 74 वर्षीय महिला और 79 वर्षीय व्यक्ति शामिल हैं। इन्हें भी शुगर, हाइपरटेंशन, लीवर, पेशाब संबंधी अन्य बीमारियां थीं।

गंगटोक में खराब मौसम में फंसे 126 लोगों को वायुसेना और प्रशासन ने किया एयरलिफ्ट, राहत कार्य तेज

गंगटोक | आरएनएस

सिक्किम के उत्तर जिले के चाटेन क्षेत्र में खराब मौसम, भारी बर्फबारी और भू-स्खलन के कारण फंसे 126 स्थानीय निवासी और पर्यटक अब सुरक्षित हैं. पिछले दो दिनों में चलाए गए राहत एवं बचाव अभियान के अंतर्गत उन्हें वायुसेना के हेलीकॉप्टरों की मदद से एयरलिफ्ट कर पाकयोंग ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के माध्यम से गंगटोक पहुंचाया गया.

शुक्रवार सुबह मौसम में सुधार होते ही बचाव कार्य में तेजी आई. प्रशासन की योजना के तहत पहले 44 लोगों का एक समूह, फिर 39 लोगों का दूसरा समूह हेलीकॉप्टरों से बाहर निकाला गया. इसके साथ ही 19 राहत सामग्री के टोक्रे भी प्रभावित क्षेत्र में भेजे गए.

बचाए गए लोगों को राष्ट्रीयकृत परिवहन बसों के जरिए गंगटोक लाया गया, जहां उनके लिए राहत शिविरों में भोजन, चिकित्सा और आवास की व्यवस्था की गई है. प्रशासन का कहना है कि स्थिति सामान्य होने पर उन्हें उनके घरों तक सुरक्षित वापस भेजा जाएगा.

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव मिंगमा टी शेर्पा ने बताया, अब तक कुल 126 लोगों को सुरक्षित एयरलिफ्ट किया जा चुका है. हेलीकॉप्टरों के ज़रिए राहत सामग्री भी पहुंचाई गई है. चाटेन और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है.

उधर, सीमा सडक़ संगठन, भारतीय सेना और तेलंगाना प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से फिदांग-सांगकेलांग-चुंगथांग सडक़ मार्ग को आंशिक रूप से चालू कर दिया गया है. अभी यह मार्ग सुरक्षा कारणों से सीमित आवाजाही के लिए ही खोला गया है. भारी बर्फबारी और मलबा हटाने के लिए मशीनों और मैनपावर की सहायता ली जा रही है.

प्रशासन ने बताया कि मौसम में अस्थिरता बनी हुई है, लेकिन एयरलिफ्टिंग ऑपरेशन अब तक पूरी तरह सफल रहा है. आपदा प्रबंधन दल, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार फील्ड में काम कर रही हैं.